Literacy for a Billion

Movie: Aakraman
Year: 1975

Song: Punjabi Gayenge
Lyricist: Anand Bakshi

पंजाबी गाएँगे मराठी गाएँगे
गुजराती गाएँगे बंगाली गाएँगे

पंजाबी गाएँगे
आ हा
मराठी गाएँगे
ओ हो
गुजराती गाएँगे
आ हा
बंगाली गाएँगे

आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे

पंजाबी गाएँगे
ओ हो
मराठी गाएँगे
ओ हो
गुजराती गाएँगे
ओ हो
बंगाली गाएँगे

आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
हँसी आती है हमको

आजकल के नौजवानों पर
दवा दर्दे जिगर की
ढूँढ़ते हैं जो दुकानों पर

तड़पकर प्यार में जीने से
बस इलज़ाम मिलता है
बस इलज़ाम मिलता है

वतन की राह में
मरने से ही
आराम मिलता है
हाँ आराम मिलता है

वतन की राह में
मरने से ही
आराम मिलता है

मौसम साल महीना झूठ
मरना सच है जीना झूठ
मौसम साल महीना झूठ
मरना सच है जीना झूठ

इश्क़ वतन दा सच्ची बात
हो हो हो ...
इश्क़ वतन दा सच्ची बात
तेरा हुस्न हसीना झूठ

मौसम साल महीना झूठ
मरना सच है जीना झूठ

मौसम साल महीना झूठ
मरना सच है जीना झूठ
शम्मे वतन पर बनकर
परवाने जल जाएँगे

आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे

यहाँ पैदा हुए हम या वहाँ
क्या फ़र्क़ पड़ता है
कोई हो रंग कोई हो ज़ुबाँ
क्या फ़र्क़ पड़ता है
ज़ुबाँ है इसलिए कि आदमी
मतलब है क्या समझे
मतलब है क्या समझे

ना समझे इसपे भी
जो नासमझ
उससे खुदा समझे
हाँ हाँ उससे खुदा समझे
न समझे इसपे भी
जो नासमझ
उससे खुदा समझे

क्यों है बहज़ुबानों पर
अपनों और बेगानों पर
क्यों है बहज़ुबानों पर
अपनों और बेगानों पर
अब तक लहराते थे हम
हो हो हो ...
अब तक लहराते थे हम
झंडा सिर्फ़ मकानों पर

क्यों है बहज़ुबानों पर
अपनों और बेगानों पर

आज तिरंगा दिलों में अपने
हम लहराएँगे

आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे

पंजाबी गाएँगे
आ हा
मराठी गाएँगे
ओ हो
गुजराती गाएँगे
आ हा
बंगाली गाएँगे

आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे
आज चलो मिलकर हम सब
क़व्वाली गाएँगे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.